प्रेस विज्ञप्ति

16 जनवरी, 2025

पीएफसी ने जेबीआईसी के साथ 120 बिलियन जापानी येन के ऐतिहासिक ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए

पीएफसी, एक महारत्न कंपनी और भारत की सबसे बड़ी एनबीएफसी ने 15 जनवरी, 2025 को जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कॉऑपरेशन (जेबीआईसी) के साथ 120 बिलियन (6,500 करोड़ रुपए) जेपीवाई के ऋण समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समझौते के अंतर्गत, जेबीआईसी 72 बिलियन जेपीवाई की फंडिंग प्रदान करेगी, जबकि शेष वाणिज्यिक बैंकों द्वारा वित्त पोषित किया जाएगा।

जेबीआईसी ने जेबीआईसी की पहल 'आर्थिक विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिए वैश्विक कार्रवाई' ("ग्रीन") के अंतर्गत पीएफसी को यह दीर्घकालिक सुविधा प्रदान की, जिसमें जेबीआईसी वैश्विक पर्यावरण को संरक्षित करने के उद्देश्य से परियोजनाओं को वित्तपोषित करता है - जैसे कि ग्रीनहाउस गैस (जीएचजी) उत्सर्जन को काफी कम करने वाली परियोजनाएं। इस प्रकार, पीएफसी द्वारा अपने अक्षय ऊर्जा पोर्टफोलियो को वित्तपोषित करने के लिए धन का उपयोग किया जाएगा, जिससे भारत के गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा स्रोतों में बदलाव को बढ़ावा मिलेगा। यह ऐतिहासिक सौदा भारत में किसी भी कंपनी के साथ जेबीआईसी द्वारा निष्पादित अब तक का सबसे बड़ा ग्रीन फाइनेंसिंग समझौता है।

ऋण समझौते पर पीएफसी की अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक श्रीमती परमिंदर चोपड़ा और जेबीआईसी के वरिष्ठ प्रबंध निदेशक श्री ओगावा काजुनोरी ने जापान दूतावास के मंत्री एवं उप-मिशन प्रमुख श्री ताकाशी अरियोशी, जेबीआईसी के उप महानिदेशक श्री शिबुया अत्सुकी और पीएफसी की मुख्य महाप्रबंधक (वित्त) श्रीमती जसनीत गुरम की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए।

पीएफसी की सीएमडी श्रीमती परमिंदर चोपड़ा ने कहा, "हमने वर्ष *2024* में जेबीआईसी से पहली क्रेडिट लाइन का सफलतापूर्वक उपयोग किया है। यह नई क्रेडिट लाइन पिछली क्रेडिट लाइन से *4* गुना बड़ी है और *20* साल तक की लंबी अवधि प्रदान करती है। गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा को बढ़ावा देना भारत सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। जेबीआईसी जैसे अंतरराष्ट्रीय ऋणदाताओं के समर्थन से, पीएफसी इस विजन को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।"

"भारत जापान के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण साझेदार है। एक जापानी सरकारी वित्तीय संस्थान के रूप में, जेबीआईसी भारत में सतत आर्थिक विकास के उद्देश्य से विभिन्न नीतिगत पहलों का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह क्रेडिट लाइन पिछले समझौते के पैमाने से चार गुना बड़ी है। पीएफसी के साथ घनिष्ठ सहयोग के माध्यम से, हम जापान-भारत द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने और विकसित करने में योगदान देने वाली परियोजनाओं की व्यापक विविधता की पहचान और विकास पर ध्यान केंद्रित करना चाहेंगे," जेबीआईसी के एसएमडी श्री ओगावा कज़ुनोरी ने कहा।

अधोहस्ताक्षरी/-

(एस.एस. राव)

मुख्य महाप्रबंधक (पीआर)